भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 09 अक्टूबर, 2025
जारी करने का समय: 1315 घंटे

विषय: (i) अगले 5-6 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ वर्षा की गतिविधि में वृद्धि होने की संभावना है।
(ii) अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात के शेष भागों, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ और भागों तथा महाराष्ट्र के कुछ भागों से दक्षिण-पश्चिम मानसून के वापस लौटने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

पिछले 24 घंटों में 09 अक्टूबर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- रायलसीमा, आंतरिक कर्नाटक, बिहार, तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा 20° उत्तर/69° पूर्व, वेरावल, भरूच, उज्जैन, झांसी, शाहजहांपुर और 30° उत्तर/81° पूर्व से होकर गुजर रही है। **(अनुलग्नक II)**
- अगले 2-3 दिनों के दौरान गुजरात के शेष भागों, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ और भागों तथा महाराष्ट्र के कुछ भागों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- पश्चिम-मध्य अरब सागर पर कल का सुस्पष्ट निम्न दबाव (चक्रवाती तूफान "शक्ति" [उच्चारण: शक्ति] का अवशेष) आज, 9 अक्टूबर, 2025 को 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में बना हुआ है। इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण औसत समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक विस्तारित है। इसके पश्चिम-मध्य अरब सागर के ऊपर पूर्व-दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ना जारी रखने और अगले 24 घंटों के दौरान कम दबाव वाले क्षेत्र में और कमजोर होने की संभावना है।
- निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिण बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्रों पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिण ओडिशा से कोमोरिन क्षेत्र तक एक द्रोणिका रेखा बनी हुई है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर पर कोमोरिन क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर उत्तरी केरल से लगे दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर मध्य असम और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है और अब यह औसत समुद्र तल से 1.5 और 4.5 किमी ऊपर देखा जा सकता है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तमिलनाडु और केरल व माहे में 09 से 14 अक्टूबर तक; तटीय कर्नाटक में 09 और 10 अक्टूबर को; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 09 से 13 अक्टूबर तक; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 09 से 12 अक्टूबर तक और रायलसीमा में 09 से 11 अक्टूबर तक कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; तमिलनाडु और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 09 अक्टूबर को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 09 अक्टूबर को तेज सतही हवाएं (गति 30-40 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना) है।

पूर्वी भारत:

- ओडिशा में 09 से 12 अक्टूबर तक कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 09 और 10 अक्टूबर को कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 09 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

अरब सागर:

- केरल, दक्षिण कर्नाटक तटों के साथ और उसके आसपास, लक्षद्वीप क्षेत्र में 09 अक्टूबर को; और पश्चिम-मध्य से सटे उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 09 और 10 अक्टूबर को न जाएं।

बंगाल की खाड़ी:

- मन्नार की खाड़ी और इससे सटे कोमोरिन क्षेत्र में 09 से 11 अक्टूबर में न जाएं।

ii. 09 से 12 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- ❖ **तमिलनाडु, पुडुचेरी:** किल कोटागिरी एस्टेट (जिला नीलगिरी) 13; कुंडेरीपल्लम (जिला इरोड) 9; उडुमलपेट (जिला तिरुपुर) 7;
- ❖ **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक:** नायकनहट्टी (जिला चित्रदुर्ग) 12; भरमसागर (जिला चित्रदुर्ग), थोंडेभावी (जिला चिकाबल्लापुरा), दावणगेरे (जिला दावणगेरे), चित्रदुर्ग (जिला चित्रदुर्ग) 8 प्रत्येक;
- ❖ **उत्तर आंतरिक कर्नाटक:** धारवाड़_अन्निगेरी_अन्निगेरी 12;

- **रायलसीमा**: गोरंटला (जिला श्री सत्यसाई जिला) 12; बथलापल्ले (जिला श्री सत्यसाई जिला) 8; अनंतपुर (जिला अनंतपुरमु), पुल्लमपेटा (जिला अन्नामय्या जिला) 7 प्रत्येक;
- **त्रिपुरा**: ए डी नगर एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 10; अगरतला एपी (जिला पश्चिम त्रिपुरा), अगरतला एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम त्रिपुरा) से 8 प्रत्येक; डीएम कार्यालय एआरजी (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 7;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल:** बीच टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 8; चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी), डायना टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) प्रत्येक 7;
- **असम**: उदयपुर (जिला तिनसुकिया) 7.

अनुलग्नक II

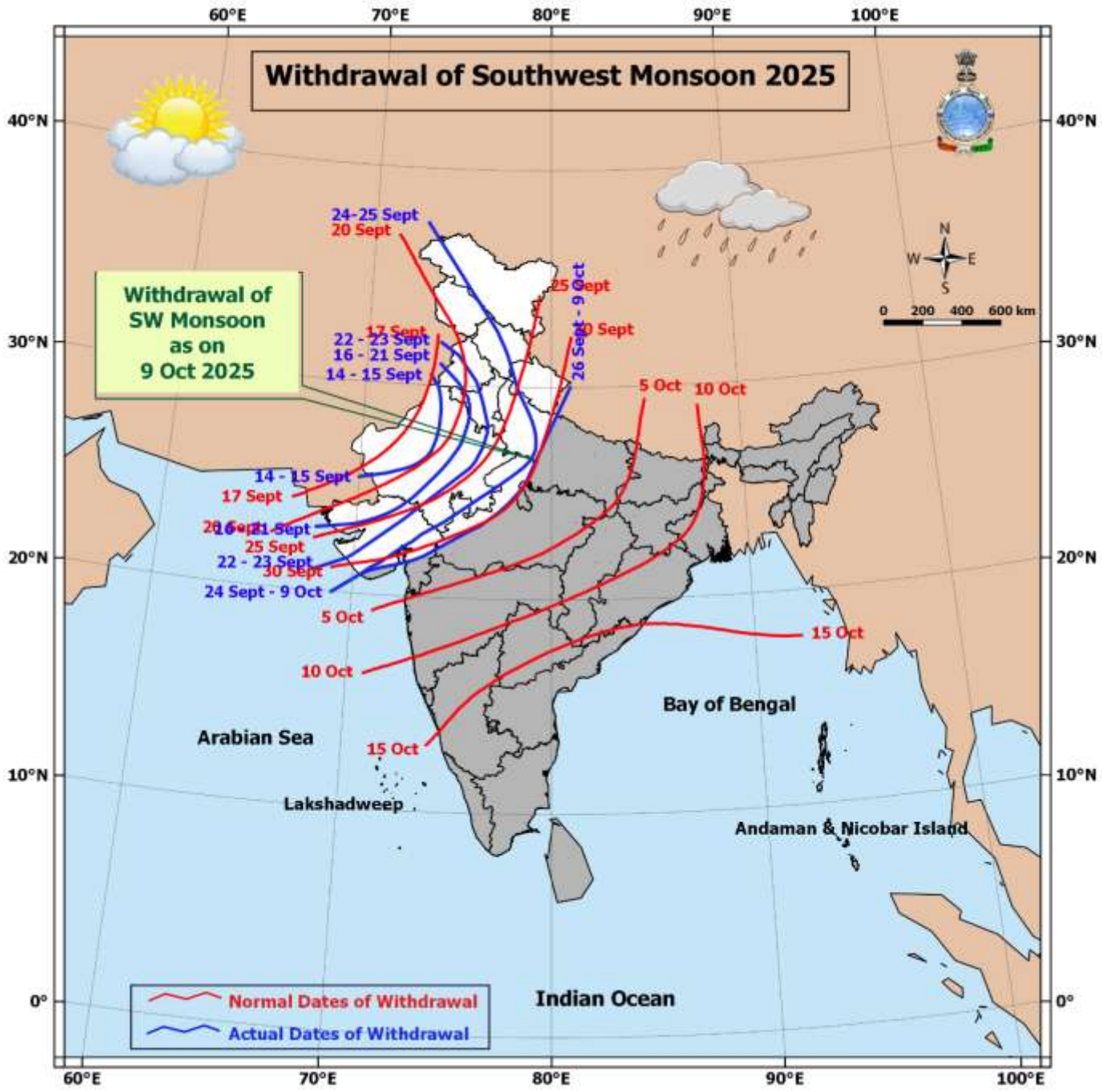

अनुलग्नक III

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	9- Oct	10- Oct	11- Oct	12- Oct	13- Oct	14- Oct	15- Oct
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

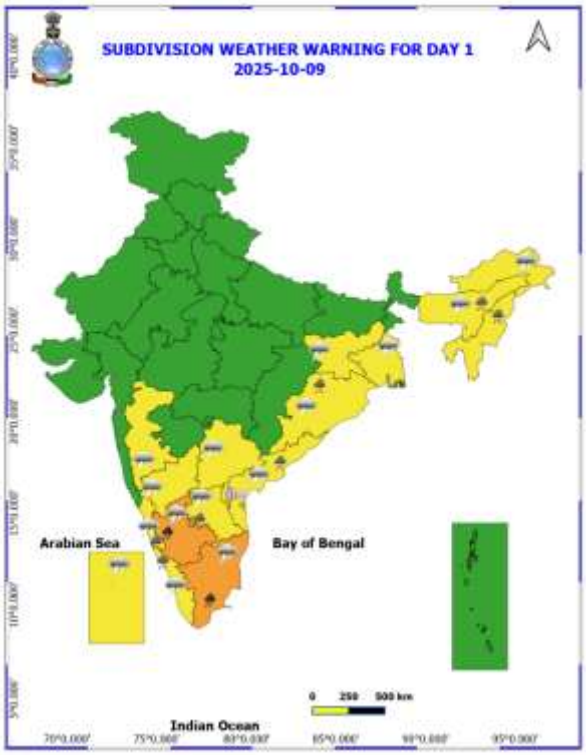
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-09
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

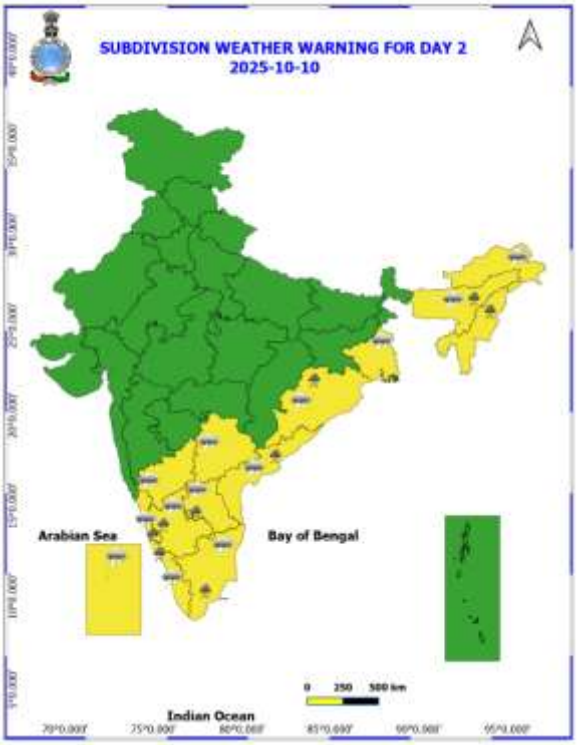
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-10
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

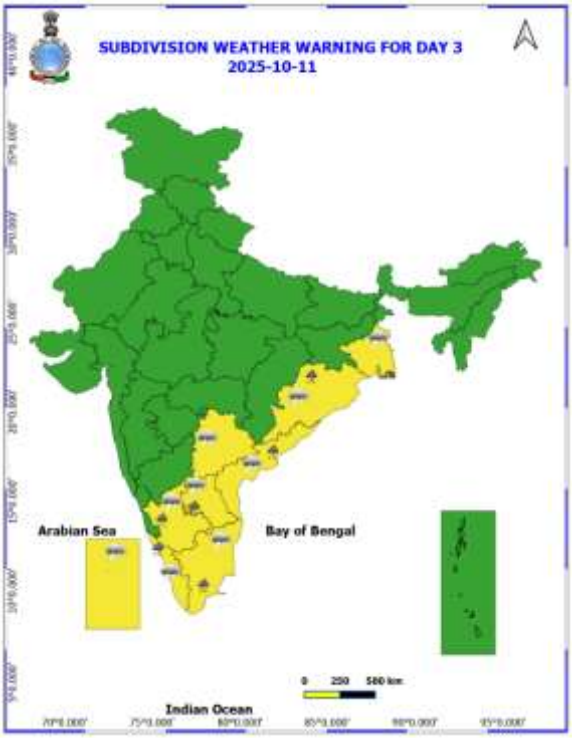
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-11
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

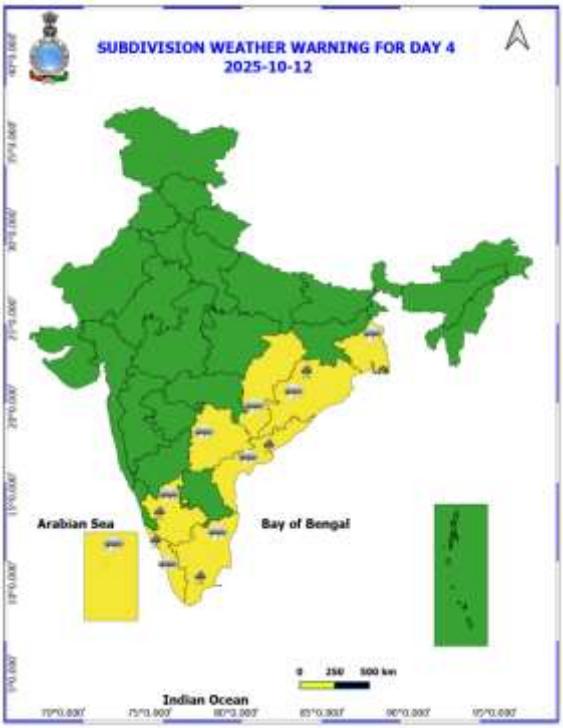

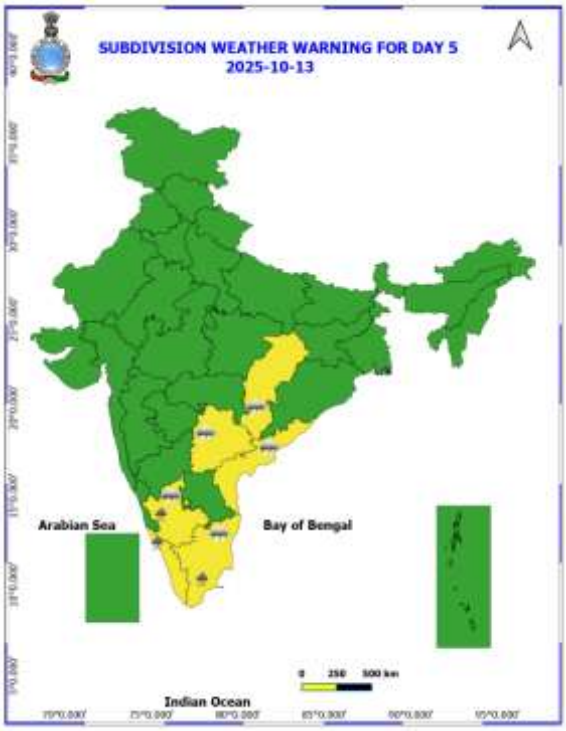

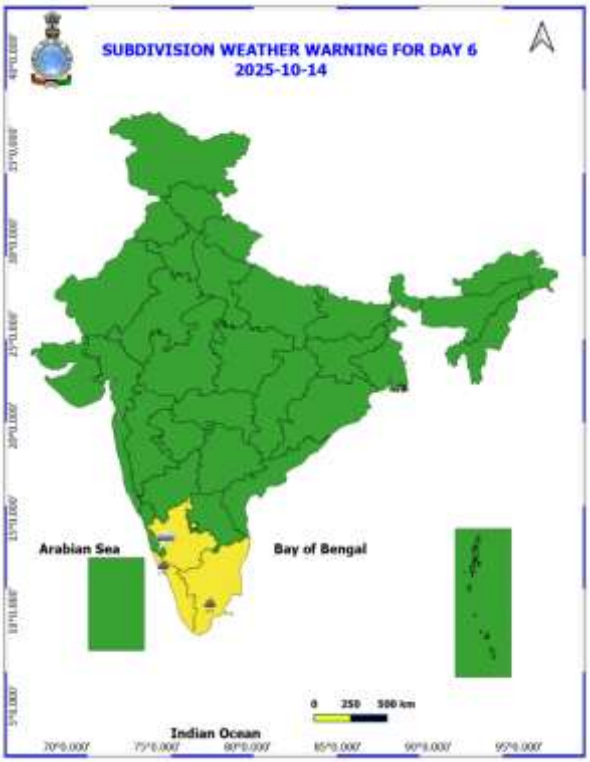

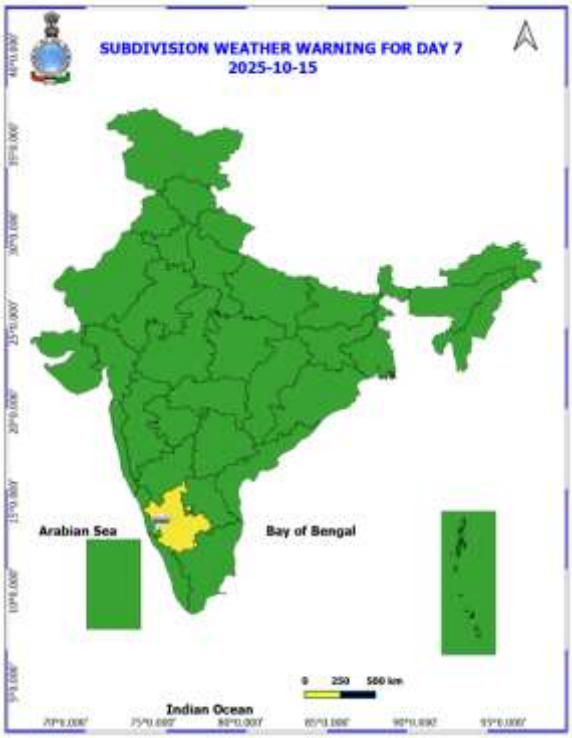

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए मौसम पूर्वानुमान (09 से 12 अक्टूबर 2025 तक)

पिछला मौसम:
पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान में 1-3°C की उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 25 से 27°C और 18 से 21°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3°C कम तथा अधिकतम तापमान सामान्य से 6-9°C कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान अधिकतर बादलों से ढका रहा और सतही हवाएँ मुख्यतः पश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा की रफ्तार से चलीं। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आसमान साफ़ रहा और हवाएँ पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम की गति से चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

09.10.2025: मुख्यतः साफ़ आसमान। दिल्ली में अधिकतम तापमान 29 से 31°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5°C तक कम रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी/घंटा की रफ्तार से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति घटकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम रहने की संभावना है।

10.10.2025: मुख्यतः साफ़ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 18 से 20°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C कम तथा अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3°C कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 5-10 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा से कम रहेगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर उत्तर दिशा से 10 किमी/घंटा से कम रहने की संभावना है।

11.10.2025: मुख्यतः साफ़ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 19 से 21°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C कम तथा अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 1°C कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम की गति से चलेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा से कम रहेगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर उत्तर दिशा से 12 किमी/घंटा से कम रहने की संभावना है।

12.10.2025: मुख्यतः साफ़ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 19 से 21°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C कम तथा अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 1°C कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम की गति से चलेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा से कम रहेगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर उत्तर दिशा से 12 किमी/घंटा से कम रहने की संभावना है।

भारी वर्षा के कारण प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई:

- 09 अक्टूबर को तमिलनाडु और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित प्रभाव

- ✓ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।
- ✓ भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- ✓ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया।
- ✓ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ✓ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ✓ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन।

- ✓ जलप्लावन के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ✓ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों, खासकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में, बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के बारे में जानने के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ✓ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने रास्ते में यातायात की भीड़भाड़ की जाँच कर लें।
- ✓ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात परामर्श का पालन करें।
- ✓ उन इलाकों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ✓ असुरक्षित ढाँचों में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में, मूंगफली, मक्का काली मिर्च, इलायची, हल्दी एवं कॉफ़ी की कटी हुई उपज को सूखे, ढके हुए और हवादार स्थानों पर रखें या खेतों में तिरपाल से ढक दें। धान, मक्का, रागी, अरहर, सोयाबीन, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों तथा केला, काली मिर्च, नारियल और सुपारी के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- ➢ **तमिलनाडु** में, धान और मूंगफली की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, कपास, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल और केले के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- ➢ **केरल** में, धान के खेतों और केला, नारियल, सुपारी एवं काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- ➢ **रायलसीमा** में, तोड़े गए फलों और सब्जियों को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मूंगफली, कपास, हल्दी और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- ➢ **तटीय आंध्र प्रदेश** में, धान, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, मूंगफली, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, सुपारी, केला, कॉफी और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- ➢ **तटीय कर्नाटक** में, धान के खेतों और नारियल तथा सुपारी के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- ➢ **असम** में, सभी परिपक्व सब्ज़ियों (टमाटर, खीरा, बैंगन आदि) की कटाई कर लें। साली धान, उड़द, मूंग और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की उचित निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ **मेघालय** में खड़ी फसलों एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- ➢ **ओडिशा** में, जलभराव को रोकने हेतु धान, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली, कपास और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- ➢ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- ➢ चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ➢ अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

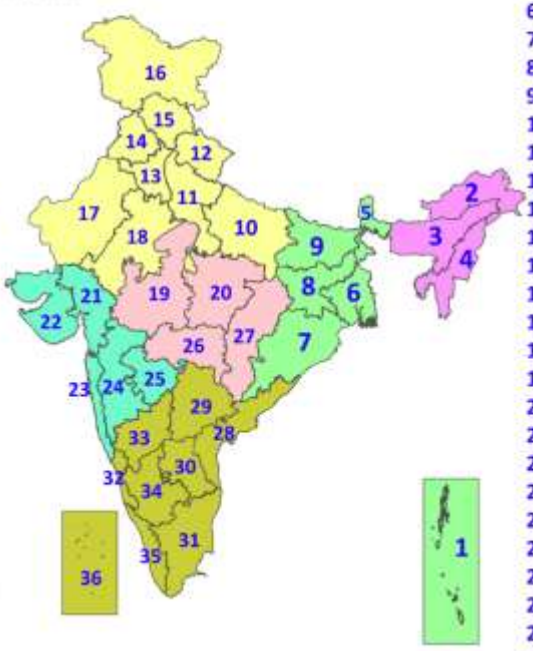

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)